>

Title: Regarding situation of drought and flood in the country.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): माननीय अध्यक्ष महोदया, बिहार, उत्तर प्रदेश और अगल-बगल के राज्यों के कुछ हिस्से सुखाड़ से तबाह हैं, किसानों में तबाही मची हुई है। कुछ हिस्से बाढ़ से तबाह हो गए, सुखाड़ से तबाह हो गए, यही नहीं किसान सरकार से भी तबाह हैं। कोई मदद नहीं, कोई इलाज नहीं, कोई उपचार नहीं। मैं आपके माध्यम से सरकार से दरख्वास्त करता हूं कि केंद्र सरकार सजग हो। राज्य में अपनी टीम भेजकर देखे की क्या बर्बादी बाढ़ और सुखाड़ से हुई है, कैसे सहायता हो सकती है, उनको कैसे बचाया जा सकता है। इसका उपचार किया जाए नहीं तो बहुत भयानक स्थिति आ सकती है। एक साथ बाढ़, सुखाड़ प्राकृतिक आपदा से किसानों की तबाही हो गई। वहां के लोग तबाह हो गए हैं, बेरोजगारी हो गई है। किसानों को कोई देखने वाला नहीं है, कोई सुनने वाला नहीं है, उनका कोई मददगार नहीं है। किसानों की गांव में यही हालत है। प्राकृतिक आपदा के लिए कोई इंतजाम नहीं है और इस वजह से बड़ा भारी असंतोष है। उनकी कोई खोज खबर नहीं ली जा रही है, कोई लिखापढ़ी नहीं हो रही है, कोई टीम नहीं जा रही है, कोई व्यवस्था नहीं हो रही है।

मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान आकृष्ट करता हूं कि बिहार के उत्तर बिहार में गंगा नदी में बाढ़ आ गई है और बाकी की जगहों में सुखाड़ है। वर्षा नहीं हुई है, नगण्य वर्षा हुई है और इसी कारण धान का रोपण भी नहीं हो पाया है। पंपिंग सैट चलाकर कुछ किसानों ने किसी तरह मेहनत की है लेकिन सूखा हो गया। सावन चला गया, भादों आ गया और वर्षा भी नहीं हुई है। सरकार इस तरफ ध्यान दे। मैं आपके माध्यम से सरकार से वक्तव्य की मांग करता हूं कि वह कोई संतोषजनक वक्तव्य दें।

अध्यक्ष महोदया :श्री रघुवंश प्रसाद सिंह द्वारा उठाए गए मुद्दे के साथ

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री हुक्मदेव नारायण यादव को संबद्ध किया जाए।